नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

नक्सल मुक्त एमपी की ओर बढ़ते कदम

बालाघाट में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में 10 हार्डकोर नक्सलियों का आत्मसमर्पण केवल एक प्रशासनिक सफलता नहीं, बल्कि एक मानसिक, सामाजिक और रणनीतिक विजय का संकेत है. यह उस लंबी लड़ाई का महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो प्रदेश ने दशकों तक लाल आतंक के खिलाफ लड़ी है. जिस धरती पर कभी नक्सलियों की बंदूकें राज्य की संप्रभुता को चुनौती देती थीं, वहीं आज वही हथियार लोकतंत्र की ओर बढ़ते कदमों के सामने झुकते दिखे- यह दृश्य किसी भी जागरूक समाज के लिए आश्वस्त करने वाला है. इन 10 नक्सलियों में चार महिला नक्सलियों का शामिल होना अपने आप में दर्शाता है कि अब जंगलों में छिपकर हिंसा की राजनीति करने वाले गिरोह अपनी ही वैचारिक थकान और नेतृत्वहीनता के भार तले टूट रहे हैं. सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इन सभी पर 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था. विशेष रूप से सुरेंद्र उर्फ कबीर पर अकेले 62 लाख का इनाम होना बताता है कि यह आत्मसमर्पण महज एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नक्सली नेटवर्क को मिली गहरी चोट है. मुख्यमंत्री के हाथों एके-47 और इंसास राइफल जैसे घातक हथियारों का समर्पण, कई मायनों में यह जताता है कि जंगलों की हिंसक सत्ता अब लोकतंत्र के आगे ढह रही है. इन हथियारों का जमीन पर गिरना, उन तमाम निर्दोष आदिवासियों और सुरक्षाकर्मियों की याद को भी सम्मान देता है, जिन्होंने नक्सली हिंसा के कारण अपनी जान गंवाई.

डॉ. मोहन यादव द्वारा आत्मसमर्पित नक्सलियों को संविधान की प्रति भेंट करना एक गहरा संदेश है कि समर्पण केवल राज्य के सामने झुकना नहीं, बल्कि एक नए जीवन का आरंभ है. यही वह मानवीय दृष्टि है जो नक्सल समस्या का वास्तविक समाधान तलाशती है. 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' कार्यक्रम इसी सोच का विस्तार है, जिसमें राज्य हिंसा छोड़कर लौटने वालों को सुरक्षा, सम्मान और उद्यमिता के अवसर प्रदान कर रहा है. यह नीति बताती है कि सरकार प्रतिहिंसा नहीं, पुनरुत्थान पर विश्वास रखती है. मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए शब्द कि 'लाल सलाम को अब आखिरी सलाम देने का समय आ गया है', प्रदेश की दृढ़ मंशा का स्पष्ट ऐलान हैं. केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा निर्धारित नक्सल मुक्त भारत की रणनीति के अनुरूप, मध्य प्रदेश उस लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रहा है. नक्सलवाद के खिलाफ यह व्यापक मोर्चा केवल बंदूक और ऑपरेशन का परिणाम नहीं, बल्कि राज्य की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, बेहतर खुफिया तंत्र, पुलिस-फोर्स का समन्वित अभियान और जमीनी स्तर पर विकास को प्राथमिकता देने की रणनीति का नतीजा है. बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और छिंदवाड़ा जैसे क्षेत्र, जो कभी नक्सली गतिविधियों के कारण भय का पर्याय बन गए थे, अब विकास और आत्मविश्वास की ओर बढ़ रहे हैं. जंगलों में सड़कें, गांवों में उजाला और युवाओं के हाथों में रोजगार जैसे बदलाव नक्सलियों की जनाधार राजनीति को तेजी से खत्म कर रहे हैं. यह आत्मसमर्पण एक संदेश भी है कि हिंसा की राह अंत में अंधेरे की ओर ही ले जाती है, किंतु लोकतंत्र और विकास की मुख्यधारा हर भटके कदम का स्वागत करने को तैयार है. मध्य प्रदेश के इस निर्णायक मोड़ को केवल एक सफलता के रूप में नहीं, बल्कि नक्सल मुक्त भविष्य की नींव के रूप में देखना चाहिए.

अब लक्ष्य स्पष्ट है कि नक्सलवाद की छाया को प्रदेश की सीमाओं से स्थायी रूप से हटाना है. जाहिर है बालाघाट का यह अध्याय इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा.

मालवा- निमाड़ की डायरी

अंतत : जीतू-पटेल साथ आए

संजय व्यास

आलीराजपुर में जल-जंगल, जमीन मामले में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी आलीराजपुर के पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष महेश पटेल साथ आ गए. क्षेत्र में विगत कई समय से महेश पटेल अतिक्रमण के नाम पर आदिवासियों की बेदखली के खिलाफ आंदोलनरत थे. इसे प्रदेश कांग्रेस इकाई ने पटेल का व्यक्तिगत आंदोलन बताते हुए कह दिया था कि कांग्रेस का इससे कोई लेना-देना नहीं है. तब से पटेल जीतू पटवारी से खफा थे. इतने नाराज थे कि उन्होंने पटवारी को चेतावनी भी दे डाली थी कि वे हमारे क्षेत्र में कोई सभा भी करके बता दें.

अंतत: उपर से आए आदिवासी बेदखली को मुद्दा बनाने के निर्देश के बाद कांग्रेस के बैनर तले बड़ा आंदोलन के लिए पटवारी को महेश पटेल को मनाना पड़ा. इसके बाद विगत दिनों अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम डाबड़ी में विशाल आदिवासी अधिकार यात्रा का आयोजन हो पाया. इसमें प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, उमंग सिंगार, प्रभारी संजय दत्त, कांतिलाल भूरिया तक शामिल हुए. यह क्षेत्र में आयोजित कांग्रेस आंदोलन का पहला मौका रहा, जिसमें एकजुटता का समावेश था. इसमें गुटीय राजनीति त्याग सभी क्षेत्रीय नेताओं ने शिरकत की.

निशाने पर कौन था?

उमंग सिंघार ने विगत दिनों प्रदेश युवा कांग्रेस की बैठक में संगठन की नियुक्तियों को लेकर युवा नेताओं को सीख दी कि मारुति की गाड़ी में जेसीबी का टायर लगाओगे तो गाड़ी नहीं चल पाएगी, गलत चयन से संगठन नहीं चल पाएगा. नेता पैराशूट से आएं या जमीन से, असली फर्क सोच का होता है. जब तक गरीब की झोपड़ी में टपकती बारिश का दर्द महसूस न हो, जब तक 10-15 किलोमीटर चलकर खाली थैली लौटती बूढ़ी मां का संघर्ष न दिखे, तब तक राजनीति समझ नहीं आती. इसके बाद से सियासतदान कयास लगा रहे हैं कि निशाने पर कौन था.

चूंकि बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मौजूद थे और बैठक के पहले ही पटवारी की संगठन नियुक्तियां प्रदेश प्रभारी ने रद्द कर दी थी, ऐसे में लोग सिंघार का इशारा उनकी तरफ ही समझ रहे हैं. हालांकि बाद में पटवारी की ही सूची को पदनाम बदलकर हरी झंडी मिल गई थी.

मुसीबत में फंसे उमंग सिंघार

नेशनल हेल्थ मिशन के प्रोग्राम मैनेजर विजय पांडे पर झूठे आरोप के मामले में विधान सभा नेता प्रतिपक्ष गंधवानी विधायक उमंग सिंघार उलझ गए हैं. प्रदेश की भाजपा सरकार को घेरने के लिए इस मुद्दे को उन्होंने विधान सभा सिर पर उठा ली थी. पांडे को पद'युत करवाने हेतु विधानसभा में बड़ा हंगामा किया गया था और सरकार को विजय पांडे को पद से बेदखल करना पड़ा था. सिंघार व अन्य नेताओं ने नेशनल हेल्थ मिशन के प्रोग्राम मैनेजर पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा था कि उन्होंने फर्जी मार्कशीट के जरिए नौकरी ली है. जांच में माध्यमिक शिक्षा मंडल ने मॉर्कशीट को सही बताया. सब सही होने के बाद विजय पांडे ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया था. अब एमपी-एमएलए कोर्ट ने उमंग सिंघार सहित अन्य नेताओं को नोटिस जारी कर 16 जनवरी को कोर्ट में अपना पक्ष रखने का आदेश दिया है. पहले से ही कई मामलों में फंसे सिंघार इस नई मुसीबत से कैसे बाहर निकलते हैं वक्त बताएगा.

मोदी की दोस्ती दमदार

दिलीप झा

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन चार साल बाद 5 दिसंबर को भारत पहुंचे।

अमेरिका समेत यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों की निगाहें पुतिन के भारत दौरे पर थी। क्योंकि वैश्विक राजनैतिक हलचल की बयार से पूरी दुनिया में उथल-पुथल की स्थिति अभी बनी हुई है लेकिन भारत बम बम कर रहा है। राष्ट्रपति पुतिन का भारत में भव्य स्वागत कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह सिद्ध कर दिया कि उनकी दोस्ती दमदार होती है। हालांकि प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से ही भारत और रूस ने कदम ताल के साथ मित्रवत व्यवहार को प्राथमिकता दी थी। पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसे हालात उत्पन्न होने पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी रूस के साथ 20 साल की संधि की थी। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है पिछले एक दशक से भारत अमेरिका के व्यापारिक रिश्तों में बहुत तेजी आई है लेकिन दूसरी बार डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी विदेश नीति की गहनता से अध्ययन कर मोदी की तरह देशहित में कुछ कड़े फैसले लिये। भारत समेत कई देशों पर ट्रम्प ने भयंकर

वैश्विक कूटनीति से ट्रंप चित

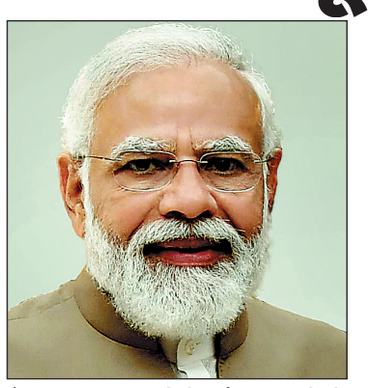

टैरिफ लगाकर अपने देश के नागरिकों से यह जताने की कोशिश की कि हमारे लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को भी कहा कि भारत को वह तेल बेचना बंद कर दें लेकिन पुतिन ने ट्रंप की बातों पर कोई विशेष तवज्जो नहीं दी और भारत को तेल बेचना पूर्व की भांति जारी रखा। पुतिन ने यूक्रेन युद्ध में ढाई लाख से अधिक अपने सैनिकों को खोने के बाद भी अमेरिका और नाटो के सामने हार नहीं मानी।

ट्रंप ने भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश पर धौंस जमाने की भरपूर कोशिश की और अपने 25 वर्ष पुरानी दोस्ती की तनिक भी परवाह न करते हुए संबंध को बिगाड़ा। ट्रंप के इस रवैए का अमेरिकी सांसदों और कभी ट्रंप के बेहद करीब रहे विश्व के बड़े कारोबारी एलन मस्क ने यह कहते हुए विरोध किया था कि आप एक ही तराजू से सभी देश को नहीं तोल सकते। उन्होंने कहा था कि अमेरिका को भारतीय प्रतिभा की आवश्यकता है। बाद में ट्रंप का भी बयान आया कि भारतीय प्रतिभा अमेरिका की जरूरत है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि ट्रंप के धौंस भरे रवैये ने रूस, चीन और भारत को एक दूसरे के निकट ला दिया और यही कारण है कि इस तिकड़ी को नई विश्व व्यवस्था की उभरती धुरी के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि दुनिया की 40 फीसदी जीडीपी इन्हीं तीनों देशों के पास है। इसके अलावा अपार जनशक्ति और सैन्यबलों में भी इन तीनों देशों का मुकाबला कोई राष्ट्र नहीं कर सकता है। भारत पर अत्यधिक टैरिफ थोपने के बाद मोदी ने बिना झुके जबरदस्त कूटनीति से ट्रंप को घुटने पर ला दिया है। इस दौरान चीन और भारत के निर्यात में वृद्धि हुई जबकि अमेरिका के निर्यात में भारी गिरावट आई है। अमेरिका में 29 फीसदी की तीखी गिरावट बनी हुई है। चीन के कुल निर्यात में 5.9 फीसदी दर्ज की गई जो 330 अरब रहा। अमेरिका में तकरीबन 40 लाख भारतीय रहते हैं और भारत की प्रतिभाओं का वहां डंका बज रहा है। हर साल अभी ढाई लाख ज्यादा युवा अमेरिका पढ़ने के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में भारत की उपेक्षा ट्रंप को भारी पड़ सकती है। ट्रंप की तानाशाही के शिकार पुतिन ने चीन और भारत के साथ कदम ताल मिलाकर अमेरिका को शिकस्त देने की राह पर चल पड़े हैं। अमेरिका की दादागिरी का खात्मा करने के लिए तीनों देशों की तिकड़ी वैश्विक रणनीति तैयार करने के पक्ष में है।

(लेखक नवभारत भोपाल के संपादक हैं)

पंछी ने उड़ान भरी लेकिन विमान ने नहीं

विदेशी पक्षी हजारों मील उड़कर भारत की चिल्का झील तक आ सकते हैं, बच्चे कागज का हवाई जहाज बनाकर उड़ा सकते हैं, लेकिन सरकार का उड्डयन मंत्रालय विमान नहीं उड़ा सकता. जनता को झांसा दिया गया था कि हवाई चप्पल पहनने वाला भी एयर ट्रैवल कर सकेगा लेकिन जब दिल्ली में संसद का सत्र और राज्यों में विधानमंडल का अधिवेशन होता है तभी एयरलाइन को लकवा मार जाता है. एयरफेयर पूरी तरह अनफेयर या अन्यायपूर्ण हो जाता है. सैकड़ों उड़ाने रद्द कर दी जाती है. लगातार कई दिनों तक फ्लाइट कैंसिल होना गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज कराया जा सकता है. उड़ान के इच्छुक यात्रियों को इंडिगो कहती है 'डोन्ट गो'! एयरपोर्ट की हालत रेलवे स्टेशन के मुसाफिरखाने से भी बदतर या गई-बीती हो जाती है. दुबई या सिंगापुर जाने के लिए जितने का हवाई टिकट रहता है, उससे ज्यादा किराया भारत के एक शहर से दूसरे शहर जाने वाली फ्लाइट के लिए वसूला गया. स्पाइसजेट की कोलकाता-मुंबई वनस्टॉप इकोनॉमी क्लास का टिकट 90,000 रुपये वसूला गया. एयर इंडिया की मुंबई-भुवनेश्वर उड़ान का टिकट एयर इंडिया ने 84,485 रुपये में

जिस पायलट की ड्यूटी पूरी हो गई, वह आगे काम करने को तैयार नहीं हुआ. सरकार और इंडिगो लीपापोती करते रहे, जबकि बेचारा यात्री यातना सहने को मजबूर हुआ.

बेचा. ऐसी ब्लैकमेलिंग चलती रही और सरकार का रवैया द्रोणाचार्य व भीष्म पितामह जैसा बना रहा, जो द्रौपदी का चीरहरण देखकर भी खामोश थे. धांधली व मनमानी के 5वें दिन नागरी उड्डयन मंत्री ने सख्त कार्रवाई का वादा किया. इस दौरान किसी को कनेक्टिंग फ्लाइट नहीं मिली, तो किसी का सामान ही नहीं पहुंचा. अव्यवस्था का अभूतपूर्व आलम बना रहा. कोई शादी में नहीं पहुंच पाया तो कोई फौजी जवान समय पर अपनी ड्यूटी जॉइन नहीं कर पाया. पायलटों की ड्यूटी टाइम लिमिटेशन को लागू करने में इंडिगो विफल रही. समय रहते उसने नए पायलटों की भर्ती नहीं की.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

हापुस पर दावा किसका सही कोकण की गुजरात से ठनी

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज आम को लेकर आम राय होनी चाहिए, लेकिन इसे लेकर कोकण के किसानों और गुजरात के बीच ठन गई है. मुद्दा यह है कि कोकण के देवगड़ और रत्नागिरी जिलों के हापुस आम ने किसानों को आर्थिक समृद्धि दी है, लेकिन अब गुजरात के नवसारी कृषि विश्वविद्यालय ने अपने वलसाड़ हापुस आम के लिए भौगोलिक पहचान या जीआई टैग की मांग की है. अगर वलसाड हापुस को भी यह मान्यता मिल जाती है तो कोकण के हापुस की पहचान धूमिल होगी और उसकी कीमतों पर भी असर पडेगा. कोकणवासियों का दावा है कि उनका हापुस सुर्गोधित, सुनहरा और रसीला है. जिसकी विश्व भर में मांग है. जबकि वलसाड का आम नकली हापुस है.'

हमने कहा, 'अपने यहां कहावत है-आम के आम और गुठलियों के दाम ! महाराष्ट्र में हापुस है तो यूपी में हापुड़ नामक शहर है जो व्यापार की बड़ी मंडी है. यह नहीं पता कि हापुड़ के लोगों ने कभी हापुस आम

खाया भी है या नहीं. क्योंकि यूपी में दशहरी, मलीहाबादी, लंगड़ा और चौसा जैसे आम खाए जाते हैं. हापुस में गूदा ज्यादा होता है और रेशा या फाइबर बिल्कुल नहीं रहता.'

पड़ोसी ने कहा, 'ऐसा ही झगड़ा एक समय बासमती चावल को जीआई टैग देने के मामले में हुआ था. देहरादून का बासमती मशहूर था, लेकिन अन्य राज्य भी अपने बासमती चावल को लंबे दाने का खुशबूदार और असली बताने लगे थे. जहां तक हापुस आम की बात है, उसे अंग्रेजी में अल्फांसो कहते हैं. कर्नाटक से लेकर सूरत तक लगभग 200 वर्षों से उसकी पैदावार हो रही हैं. हम कहते हैं कि आम कहां नहीं है? पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है. अरविंद केजरीवाल को इसकी पैदावार का श्रेय जाता है. आम तौर पर एक आदमी कहता है आम, तो दूसरा कहता है इमली! पक्ष और विपक्ष के बीच ऐसा ही विरोध चलता है जिससे गतिरोध उत्पन्न होता है. इसलिए हमारी आपको सलाह है कि आम खाओ, पेड़ मत गिनो !'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12105 - डॉ. सागर खादीवाला

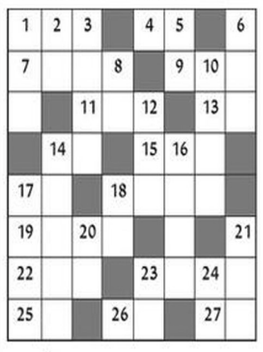

बाएं से दाएं
1. एकांत, हवा करने का पंखा (सं.) 4. अड़चन, विघ्न 7. कामदेव की पत्नी का एक नाम 9. सऊदी अरब का एक प्रसिद्ध शहर 11. जल में उत्पन्न कोई वस्तु, कमल 13. वायु (सं.) 14. जाड़ा, सर्दी, ठंडा 15. चुनने का कार्य 17. खेलने के काम का मोटे कागज का चौकोर टुकड़ा जिस पर बूटियां होती हैं 18. पवित्रता, स्वच्छता, शुद्धता (उर्दू) 19. श्री रामचंद्रजी के चरित्र की लीला 22. प्रथम, क्रमानुसार आरंभ का 23. असंबद्ध, बेजोड़ 25. जल से रहित भूमि, स्थान 26. घबड़ाया हुआ, भयभीत 27. बच्चा जनाने वाली स्त्री

ऊपर से नीचे
1. हवाई जहाज 2. दुर्गा, पार्वती, जय दिलाने वाली 3. मक्खन (सं.) 5. गृह, मकान, पवित्र तीर्थ 6. मोटे कपड़े की दीवार जिससे कोई स्थान घेरा जाता है (उर्दू) 8. बाण 10. पागलपन (उर्दू) 12. प्रसव 14. कांच का महल, वह कमरा या मकान जिसकी दीवार पर बहुत से शीशे लगे हों 16. ब्राम्हणों को दक्षिणा आदि देकर कोई धार्मिक कृत्य करने वाला 17. आकाश (सं.) 18. ठंडा, सर्दी वायु में मिले जलकण जो ठंडक के कारण सफेद तह के रूप में धरती पर जम जाते हैं 20. अवतारों के चरित्र का अभिनय, क्रीड़ा, विचित्र काम 21. एक वस्तु का दूसरी वस्तु में समा जाना 23. अगला, आगे (सं.) 24. बात को समझने या स्मरण रखने की मानसिक शक्ति, धारणा शक्ति (सं.)

Solution 12104

क	र्क	रो	ग		वे	ध	ना
छु		श			त	ड़	प
आ	दा	न	प्र	दा	न		ती
	य	दा	क	दा		तू	ल
अ		न	र		द	फा	
ल	ग्न		ण			न	ल
वि		म		पू	र्वा	ग्र	ह
दा	सा	नु	दा	स		स्त	र

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सामाजिक कार्यों में संलग्नता रहेगी. व्यवसाय में वृद्धि होगी. राजनैतिक लाभ होगा. वर्ष के मध्य में व्यवसाय की स्थिति में सुधार होगा. आय के अन्य स्त्रातों में वृद्धि होगी. पूर्व परिचित से भेंट होगी. सफलता मिलेगी. मन प्रसन्न रहेगा. वर्ष के अन्त में अनावश्यक विवाद से मन खिन्न रह सकता है. स्थान परिवर्तन का योग है.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद हो सकता है. यात्रा का योग है. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को अधिकारियों का मन मुटाव रह सकता है, हानि का योग है. कर्क राशि के व्यक्तियों को चिन्ता दूर होगी. परेशानी से मुक्ति मिलेगी. सामाजिक विवाद का सामना करना पड़ सकता है. सिंह राशि के व्यक्तियों को मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को कार्यों में सफलता मिलेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी. पारिवारिक सुख बना रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को अधिकारियों से लाभ होगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक सुन्दर, सुशील, होशियार होगा, विचार सुलझे रहेंगे, परिश्रमी और आत्म ज्ञानी होगा. माता पिता को जीवन में सुखी रखेगा. मनोरंजन का शौकीन होगा. जन्म स्थान से दूर उन्नति करेगा.

मेष- आपके सामने कई विकल्प रहेंगे, उचित विकल्प के लिये किसी बुजुर्ग की सलाह लें, बांधव सुख मिलेगा, मनोरंजन आदि के कार्यों में खर्च होगा.

वृषभ- विरोधियों से अपनी बात मनवाने के लिये कूट नीति से काम लेना पड़ेगा, परिश्रम की अधिकता रहेगी, अनपेक्षित कार्यों में यश मिलेगा, उदर कष्ट हो सकता है.

मिथुन- बड़ी योजना पर काम करने के लिये प्रयास करना पडेंगे, आर्थिक कार्यों में आने वाली बाधा दूर होगी, पारिवारिक सुख शांति रहेगी.

कर्क- बड़ी सफलता के लिये व्यापक प्रयास करना पडेंगे, आर्थिक कार्यों में आने वाली बाधा दूर होगी, पारिवारिक सुख शांति रहेगी, आय के साधनों में वृद्धि होगी.

सिंह- जिद में आकर बड़ा जोखिम उठा सकते हैं, कारोबार में पूँजी निवेश के अच्छे परिणाम मिलेंगे, सुखद अनुभवों की प्राप्ति होगी, पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक होगी.

कन्या- जिन्हे आप दिल से चाहते हैं, उनके लिये आप कुछ भी करने तैयार हो जायेंगे, यात्रा सुखद लाभदायक रहेगी, निजी पुरूषार्थ बना रहेगा.

तुला- बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, अकारण तनाव को टालें, नवीन योजनाओं में व्यवधान आ सकता है.

वृश्चिक- कार्यस्थल पर सहकर्मियों से संबंध सुधारने का प्रयास सफल होगा, मांगलिक कार्यों की पूर्ति होगी, निजी मामलों में बुजुर्गों की सलाह हितकर रहेगी.

धनु- किसी की आर्थिक जिम्मेदारी न लें, पूरी नहीं होगी. पारिवारिक आनन्दोत्सव बना रहेगा, किये गये प्रयासों का लाभ प्राप्त होगा, विवादों को टालें, शुभ संदेश मिलेगा.

मकर- टकराव के कारण साझेदारी का कार्य छोड़ना पड़ सकता है, आर्थिक संतुलन बना रहेगा, रोजी रोजगार का कार्य संतोषजनक रहेगा, शुभ सूचना प्राप्त होगी.

कुम्भ- भावी योजनायें बनाते हुये आगे बढ़ें, सफलता आपकी राह देख रही है, धार्मिक कार्य बनेंगे, स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, मनोरंजन आदि पर खर्च होगा.

मीन- धर्म में आस्था बढेगी, झूठ बोलकर आप स्वयं उलझन में पड़ जायेंगे, आर्थिक संतुलन बना रहेगा, रोजी रोजगार के कार्यों में किया गया प्रयास सफल होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

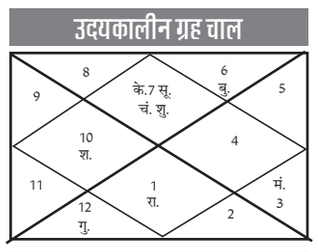

पंचांग

रा.मि. 18 संवत् 2082 पौष कृष्ण पंचमीं भौमवासरे रात 8/2, पुष्य नक्षत्रे दिन 8/30, ऐन्द्र योगे रात 8/30, कौलव करणे सू.उ. 6/46, सू.अ. 5/14, चन्द्रचार कर्क, शु.रा. 4, 6, 7, 10, 11, 2 अ.रा. 5, 8, 9, 12, 1, 3 शुभांक- 6, 8, 2.

व्यापार भविष्य

पौष कृष्ण पंचमीं को पुष्य नक्षत्र के प्रभाव से जीरा, धनियां, सौंप, अजवाईन, आदि किराना वस्तुओं में नरमी होगी, गेहूँ, जौ, चना, बाजरा, में कुछ नरमी होगी, गुड, खांड़, शक्कर, के भाव में समता रहेगी. चांदी में कल की चाल चलेगी. भाग्यांक 2585 है.

SUDOKU 7237

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7236

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1